TEE जून 2026 और TEE दिसंबर 2026 के लिए असाइनमेंट

BAFPY दर्शनशास्त्र दूसरा सेमेस्टर

BPYC-102

नोट:

1. सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।

2. सभी पाँच प्रश्नों के अंक समान हैं।

3. प्रश्न संख्या 1 और 2 का उत्तर लगभग 400 शब्दों में होना चाहिए।

4. यदि किसी प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, तो कृपया सभी भागों को हल करें। प्रत्येक भाग के लिए अलग-अलग अंक हैं।

1. सद्गुण नैतिकता पर अरस्तू के विचारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें। 20

या

मिल के उपयोगितावाद पर विस्तार से चर्चा करें। उपयोगितावाद का आलोचनात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत करें। 20

2. इमैनुएल काण्ट के अनुसार नैतिक कृत्य क्या है? नैतिक कृत्य पर दार्शनिक विचारों की व्याख्या कीजिए। 20

या

चार पुरुषार्थों पर विस्तार से चर्चा करें। भारतीय दार्शनिक संदर्भ में इस अवधारणा के महत्व को स्पष्ट करें। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200** शब्दों में दें। 2*10= 20

a) नैतिक दर्शन में आरएम हेयर के परामर्शवाद का क्या महत्व है? चर्चा करें। 10

b) नैतिक प्रकृतिवाद और नैतिक गैर-प्रकृतिवाद के बीच अंतर स्पष्ट करें। 10

c) प्राकृतिक नैतिक कानून और मानवीय गरिमा पर एक टिप्पणी लिखें। 10

d) नीतिशास्त्राय व्यक्तिनिष्ठवाद क्या है? डेविड ह्यूम के नीतिशास्त्राय व्यक्तिनिष्ठवाद की व्याख्या करें। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150** शब्दों में दें। 4*5= 20

a) हमें नैतिक क्यों होना चाहिए? चर्चा करें। 5

b) जीवन के अधिकार बनाम चुनने के अधिकार पर एक टिप्पणी लिखें। 5

c) आप नैतिक अनुभव से क्या समझते हैं? 5

d) मानक नैतिकता पर एक टिप्पणी लिखें। 5

e) नैतिक संज्ञानवाद और नैतिक गैर-संज्ञानवाद के बीच अंतर स्पष्ट करें। 5

f) मानक सापेक्षतावाद और वर्णनात्मक सापेक्षतावाद के बीच अंतर स्पष्ट करें। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5*4=20

a) नैतिक सापेक्षतावाद 4

b) निरपेक्ष आदेश 4

c) उपयोगितावाद 4

d) सरोगेसी 4

e) जलवायु परिवर्तन 4

f) ऋत 4

g) अंतर्ज्ञानवाद 4

h) प्रकृतिवादी भ्रांति 4